मूल्य : 5 रुपये

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र

नया लुक

उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हरियाणा से एक साथ प्रसारित

www.nayalook.co.in • UPHIN/47403

नया मीडिया नई नजर

आध्यात्मिक दृष्टि से विकसित हो चुकने पर धर्मसंघ में बना रहना अवांछनीय है। उससे बाहर निकल कर स्वाधीनता की मुक्त वायु में जीवन व्यतीत करो।

-स्वामी विवेकानंद

08 सियासत में वही चेहरा और फिर वही राम अलाप

वर्ष-01 अंक- 10, लखनऊ शुक्रवार 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2016, बृहस्पतिवार, कार्तिक कृष्ण पक्ष, षष्ठी 2073

अब चलेगा बेगम जान के हुस्न का जादू 14

अंदर के पेज...

मां की ममता में भरा खुशियों का रंग...

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरे आदर्श हैं, प्रेरणास्रोत हैं, उस्ताद हैं, गुरू हैं, शिक्षक भी हैं। उनके बारे में टीवी चैनलों पर देखकर-सुनकर मेरी हौसला इस कदर आफजाई हुई कि मैंने उनकी ऑयल पेंटिंग बनाकर दीवार पर टांग दी। ठीक उसी तरह जिस प्रकार द्वापर युग में धनुर्धर एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मूर्ति घने जंगल में स्थापित कर उन्हें अपना आचार्य मान लिया था। मोदी के साथ उनकी मां के भावनात्मक लम्हों की तस्वीरों के अलावा उन्होंने कई हस्तियों को चाय वाले से चित्रकार बने महेश पंडित ने कैनवास पर बखूबी उकेरा है। पेज-11 पर

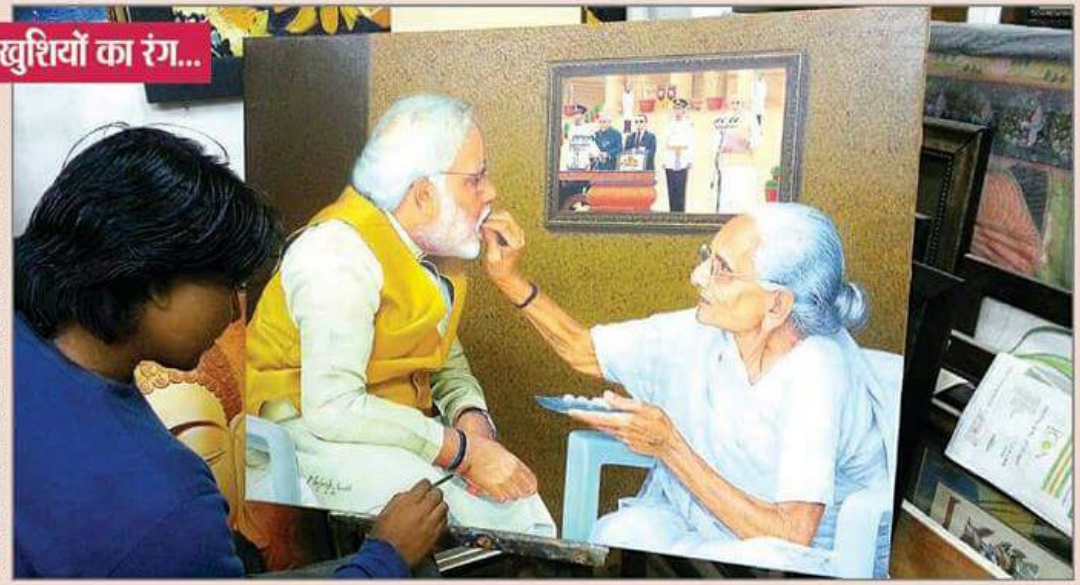

पीके छोड़ सकते हैं कांग्रेस का हाथ

अनिल कुमार

लखनऊ। यूपी में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन का दौर कई दशकों से जारी है। इस गिरावट को रोकने के लिए कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने जाने-माने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को अपना सारथी नियुक्त किया। उनके आने भर की सुगबुगाहट से कार्यकर्ताओं में जोश दिखने लगा। पदाधिकारियों की आंखों में जीत के ख्वाब तारी होने लगे।

पीके ने कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारियों से अलग-अलग मुलाकात कर पार्टी को जीत की राह की ओर अग्रसर किया। फैशन शो की तर्ज पर राहुल गांधी से रैम्प वॉक कराकर पीके ने राहुल ही पार्टी के 'सरताज' हैं, एक संदेश भी कार्यकर्ताओं में दिया। अपनी सधी चाल चलने के लिए मशहूर प्रशांत किशोर ने न केवल शीला दीक्षित को सीएम उम्मीदवार बनाया, बल्कि पार्टी अन्य जातियों की

■ पीके के खिलाफ भी लोग लामबंद हाईकमान के पास पहुंचने लगा उनके बारे में उल्टा सीधा

हिस्सेदारी को भी मजबूत किया। गुलाम नबी आजाद को प्रदेश प्रभारी बनवाकर पीके से अकलियत समाज को यह दिखाने की कोशिश की कि कांग्रेस पार्टी में ही मोमिनों का हित सुरक्षित है। इसके अलावा राजबब्बर को प्रदेश अध्यक्ष चुनकर एक तीर से दो निशाने साधे। राजबब्बर की फिल्मी छवि से पार्टी की ओर लोग आकर्षित होंगे, यह इल्म भी पीके को था।

साथ ही प्रमोद तिवारी, संजय सिंह, पीएल पुनिया और सिराज मेंहदी को खास जगह देकर उन्होंने सभी समाज को साधने की भरपूर कोशिश की। अब पार्टी में हो रहे फेरबदल से पार्टी में कुछ लोगों की नाराजगी स्वाभाविक थी। बस, पीके के खिलाफ भी लोग लामबंद होने लगे और उनके बारे में उल्टा-सीधा हाईकमान के पास पहुंचने लगा। लेकिन, पीके इस बात पर कांग्रेस का हाथ नहीं छोड़ रहे हैं। सूत्रों की माने तो पार्टी पीके एंड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं करती है। ऊपर से वह पुराने कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते हैं। इसलिए पार्टी में उनके खिलाफ नाराजगी है। • विस्तृत खबर-2 पर

लापरवाही और बेअंदाजी के गुरु का गरूर

विनोद शर्मा

वाराणसी। धार्मिक स्थलों पर मौत की भगदड़ कब थमेगी इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। धार्मिक पर्व के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित व व्यवस्थित करने का शासन और प्रशासन के पास कोई फार्मूला नहीं है। इसलिए इनकी कार्यशैली पर सवाल खड़े होना लाजमी है। वाराणसी के जय गुरुदेव महाराज के शिष्य पंकज बाबा द्वारा रामनगर में आयोजित सत्संग समारोह भी ऐसी ही अदूरदर्शित की भेंट चढ़ गया, जिसके चलते 25 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी। हालांकि इस घटना में आयोजक पंकज बाबा की लापरवाही और बेअंदाजी ज्यादा दिखी। शुक्रवार सुबह से बनारस की विभिन्न सड़कों से होकर लगातार कार्यक्रम स्थल पर पहुंच रहे भक्तों की संख्या देखने के बावजूद प्रशासन से संपर्क न करना खुद के रसूख और सत्ता में पहुंच का एहसास कराना प्रतीत हो रहा था। इसके अलावा अपार जनसमूह के साथ सड़कों पर निकली शोभायात्रा से अपने शक्ति का दिखावा भी। इस दौरान मची भगदड़ में 25 लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा चीन के राष्ट्रपति ने भी शोक जताया। 25 भक्तों की मौत ने पंकज बाबा को चीन में भी चर्चित कर दिया। यानी पंकज बाबा मकसद में कामयाब हो गया। • विस्तृत खबर-5 पर